

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी

प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

इंदौर के राजबाड़ा चौक जैसे भीड़ भरे और शहर के सबसे संवेदनशील स्थानों में से एक पर इलेक्ट्रिक बस के अचानक अनियंत्रित होकर कई लोगों को कुचल देने और दो लोगों की मौत की घटना बेहद गंभीर है. यह केवल चालक की कथित लापरवाही का मामला मानकर आगे बढ़ जाने वाली घटना नहीं है. इस हादसे ने शहर में बढ़ते इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं.

इलेक्ट्रिक बसों की कार्यप्रणाली पारंपरिक डीजल बसों से अलग होती है. इनमें इंजन का शोर लगभग नहीं होता और वलच भी नहीं होता. बस स्टार्ट होने या आगे बढ़ने के समय आसपास मौजूद लोगों को उसकी आवाज से इसकी गति का अंदाजा नहीं लग पाता. ऐसे में चालक के लिए वाहन के नियंत्रण, एक्सीलेरेटर के इस्तेमाल और ब्रेकिंग सिस्टम की समझ बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है. इलेक्ट्रिक बस चलाने वाले चालक को सामान्य भारी वाहन चलाने के अनुभव के साथ विशेष प्रशिक्षण दिया जाना अनिवार्य होना चाहिए. राजबाड़ा की घटना में बस स्टॉप पर खड़ी बस के अचानक तेज गति से चल पड़ने की बात सामने आई है. पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर बस को जब्त किया है और चालक की जांच भी कराई गई है. जांच में हादसे की वास्तविक तकनीकी और मानवीय वजह सामने आएगी. लेकिन इस घटना से यह सवाल जरूर उठता है कि क्या इलेक्ट्रिक बस के चालक को वाहन की तकनीकी और आपात स्थिति में नियंत्रण की पर्याप्त ट्रेनिंग दी गई थी ? बस संचालन करने वाली एजेंसी को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि चालक को नियमित प्रशिक्षण, रिफ्रेशर ट्रेनिंग और व्यावहारिक आपातकालीन अभ्यास कराया जाए.

इलेक्ट्रिक वाहनों की एक दूसरी बड़ी विशेषता उनका कम शोर है . यही सुविधा कई परिस्थितियों में सुरक्षा चुनौती बन सकती है . दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में भी अक्सर यह समस्या सामने आती है कि पीछे से आने वाले वाहन की आवाज आगे चल रहे व्यक्ति को सुनाई नहीं देती. दुनिया के कई हिस्सों में इसी वजह से कम गति पर इलेक्ट्रिक वाहनों में कृत्रिम ध्वनि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है. भारत में भी विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रिक वाहनों में ऐसी पैदल यात्रियों और दूसरे वाहन चालकों को वाहन की मौजूदगी का संकेत मिल सके .सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा मानकों को और अधिक कठोर बनाए जाने की आवश्यकता है. विशेष रूप से ऐसे बस स्टॉप, जहां बड़ी संख्या में पैदल यात्री, ऑटो और दूसरे वाहन मौजूद रहते हैं, वहां बसों की

आवाजही के लिए स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए . चालक के बैठने से लेकर बस के स्टार्ट होने, एक्सीलेरेटर दबाने और आपात स्थिति में वाहन रोकने तक की पूरी प्रक्रिया की निगरानी होनी चाहिए. नियमित फिटनेस और तकनीकी जांच के साथ चालक की दक्षता की भी जांच जरूरी है.

प्रदेश सरकार ने लोक परिवहन को मजबूत करने और प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू की है. यह पहल तभी सफल मानी जाएगी जब यात्रियों के साथ सड़क पर चलने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता बने. राजबाड़ा की घटना को एक चेतावनी के रूप में लेते हुए प्रदेश के सभी शहरों में संचालित इलेक्ट्रिक बसों की तकनीकी स्थिति, चालकों के प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रोटोकॉल की तत्काल समीक्षा की जानी चाहिए. विकास और आधुनिक परिवहन जरूरी है, लेकिन उनकी कीमत मानवीय जीवन नहीं हो सकती.

विश्व हृदय दिवस पर विशेष



डॉ. अखिलेश कुमार जैन

आजकल दिल का रोग केवल उम्रदराज लोगों तक ही सीमित नहीं हैं. बदलती जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतें, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव, मोटापा और धूम्रपान जैसे कारणों से कम उम्र में भी हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ रहा है. ऐसे में दिल को स्वस्थ रखने के लिए केवल लक्ष्णों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है. ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर की नियमित जांच हृदय स्वास्थ्य की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. जांच क्यों जरूरी है और कब जांच कराना आवश्यक है इस बारे में विशाष जानकारी दे रहे हैं इंदौर स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के डॉ. अखिलेश कुमार जैन, डायरेक्टर, सेन्टर फॉर कार्डियक साईंस.

ब्लड प्रेशर बढ़ना हो सकता है खतरनाक

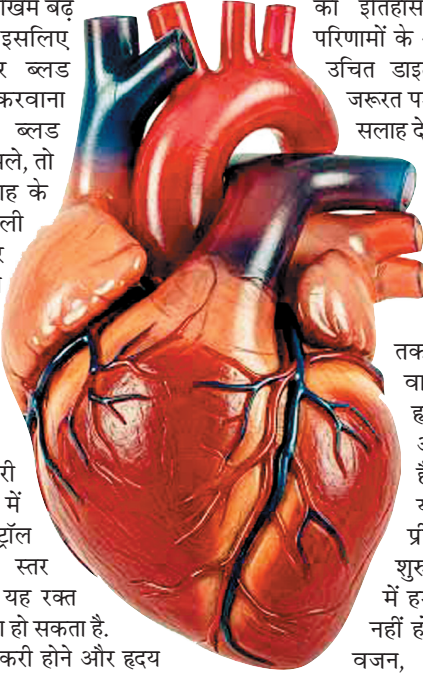
हाई ब्लड प्रेशर को अक्सर ‘साइलेंट किलर’ कहा जाता है, क्योंकि कई लोगों में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते. लंबे समय तक ब्लड प्रेशर नियंत्रित न रहने पर

दिल की बीमारी को देना है मात

तो इन आवश्यक जांचों को न करें नजरअंदाज

हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है और रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ता है. इससे हृदय रोग, स्ट्रोक और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है. इसलिए समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करवाना जरूरी है. यदि ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ मिले, तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार जीवनशैली में बदलाव और उपचार अपनाना चाहिए. कोलेस्ट्रॉल की जांच क्यों जरूरी? कोलेस्ट्रॉल शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल यानी स्रुह का स्तर अधिक होने पर यह रक्त वाहिकाओं में जमा हो सकता है. इससे धमनियाँ संकीरी होने और हृदय तक रक्त प्रवाह प्रभावित होने का खतरा बढ़ सकता है. खासकर ऐसे लोगों को नियमित

लिपिड प्रोफाइल जांच की आवश्यकता हो सकती है जिनमें मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, धूम्रपान या परिवार में हृदय रोग का इतिहास हो. जांच के परिणामों के आधार पर डॉक्टर उचित डाइट, व्यायाम और जरूरत पड़ने पर दवाओं की सलाह दे सकते हैं. डायबिटीज का असर दिल पर भी पड़ता है ब्लड शुगर का लंबे समय तक बढ़ा रहना रक्त वाहिकाओं और हृदय स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है. चिंता की बात यह है कि प्रीडायबिटीज और शुरुआती डायबिटीज में हमेशा स्पष्ट लक्षण नहीं होते. इसलिए उम्र, वजन, पारिवारिक इतिहास और अन्य जोखिम कारकों के अनुसार डॉक्टर की सलाह से



सफलता से दूर रही जिनिपिंग-ट्रंप भेंट

व्हाइट हाउस में स्वागत समारोह के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में बोलते हुए जिनिपिंग ने कहा कि दोनों देशों को टकराव की बजाय सहयोग पर बल देना चाहिए और यह जरूरी नहीं है कि चीन की तरक्की अमेरिका की कीमत पर हो. उनके अनुसार, दोनों देश ‘प्रतिद्वंदी’ की बजाय ‘पार्टनर्स’ बनें और चीन का ‘महान कायाकल्प’ व ‘ट्रंप की महत्वाकांक्षी योजना ‘मेक अमेरिका ग्रेट अगेन’ दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं. दोनों देश ऐसे संबंध स्थापित करें जिसमें प्रतिद्वंदिता न के बराबर हो, मतभेदों का प्रबंधन किया जा सके और शांति की संभावना बढ़ जाए. जिनिपिंग का पसंदीदा पॉजिटिव था- दो महान शक्तियाँ, अलग- अलग व्यवस्थाएँ, प्रतिस्पर्धीक हित, लेकिन कोई भी दूसरे को नष्ट करने की स्थिति में नहीं. जवाब में ट्रंप ने आत्मीयता व गर्मजोशी का परिचय दिया. उन्होंने जिनिपिंग को ‘महान नेता’ बताते हुए दोनों के बीच व्यक्तिगत संबंध पर बल दिया और कहा कि अमेरिका व चीन के बीच ‘बहुत अच्छे रिश्ते’ हैं. हालांकि बीजिंग चीन के उत्थान को चुनौती की बजाय सहयोग के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसको नियंत्रित करने की आवश्यकता नहीं, लेकिन वॉशिंगटन में आलोचकों का कहना है



निकला है. वॉशिंगटन ने बीजिंग पर यह दबाव डालने का प्रयास किया कि ईरान, शिपिंग लैंस आदि टकरावों का हल निकालने में वह मदद करे, लेकिन चीन ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया.

कि चीन का सैन्य विस्तार, ताइवान पर दबाव और बढ़ता स्ट्रेटेजिक प्रभाव दर्शाता है कि चीन के इरादे नेक नहीं हैं, इसलिए अमेरिका को उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए. चीन ने कहा कि 1 लाख अमेरिकी छात्र चीन में शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. ट्रंप चाहते थे कि अमेरिकी किसानों के लिए चीनी बाजार के दरवाजे खुल जाएं. इस चाहत पर सिर्फ वार्ता का आश्वासन मिला. ट्रेंड व टैंक में जो वर्तमान संधि है, उसे भी जनवरी तक का अल्प विस्तार ही मिला है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर

12393

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6
7		8		9	
10	11	12			
		13	14		15
	16		17		18
19		20		21	
22				23	
24		25			

ऊपर से नीचे

1. वह वाक्य शब्द या प्रश्न जिसके साथ तारे का चिन्ह लगा दिया गया हो (स्टार्ड) 2. चुप या शांत करना या होना 3. वह अनुकूल तथा प्रिय अनुभव जिसके सदा होते रहने की इच्छा हो 4. कोई शब्द या बात बार-बार कहना 5. एक जाति 6. मरहम लगा हुआ कपड़े या रुई का टुकड़ा 9. शुद्ध, निर्मल, पाप रहित 11. कमल 14. नृत्य करना 15. हैद्राबाद स्थित प्रसिद्ध वास्तुशिल्प 16. फैलाना, रेडियो आदि से विविध कार्यक्रम सुनने के निमित्त चारों ओर फैलाना 17. आर्द्रता 18. मुख से निकलने वाला दुख सूचक शब्द 19. जर्जर, छिद्रों वाला 21. एकाएक ऊपर से नीचे आना, भूमि पर पड़ जाना

Solution 12392

सु	नी	ल	द	त	म	ना
बा	र	फ	श	ह	द	
सि	म	क	ना	ब	ल	
त	म	ना	ब	न	च	
	स	ब	ज	म	ज	म
द	र	ख	न	ह	क	
वा	दा	स	दा	चा	री	
त	र	ब	त	र	ला	ज

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. मित्र अथवा भाई का सहयोग रहेगा. वर्ष के मध्य में व्यवसाय में सफलता मिलेगी. शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. वर्ष के मध्य में आजीविका के क्षेत्र में भाग दौड़ रहेगी. जमीन जायजाद में व्यस्तता रहेगी. व्यापार व्यवसाय में स्थिति सामान्य रहेगी. मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापारिक स्थिति सामान्य रहेगी.

कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन से सुख प्राप्त होगा. वर्ष और तुला राशि के व्यक्तियों को अध्ययन में रूचि रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को मित्र अथवा भाई का सहयोग मिलेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आजीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मित्र अथवा भाई का सहयोग मिलेगा. शिक्षा में तरक्की होगी.

मेघ- व्यर्थ के विवाद से बचें. नवीन संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. निजी पुरुषार्थ बना रहेगा. यश मिलेगा. भूमि भवन के कार्यों पर विचार होगा. वृषभ- भय एवं चिन्ता दूर होगी. स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी. व्यापार व्यवसाय में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. आशा के अनुकूल लाभ मिलेगा. मिथुन- अनचाहे स्थान की यात्रा होगी. आर्थिक मामलों में लाभ होगा. छोटी मोटी बातों पर चिन्ता रहेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है. कर्क- उपहार तथा सम्मान मिलेगा. व्यवहारिक क्षमता से विगड़े कामकाज बनेंगे. वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. मित्र मिलन होगा.

सिंह- किसी महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त रहेंगे. पारिवारिक चिन्ता रहेगी. अधिकारी वर्ग से विवाद पराक्रम बढ़ेगा. जोखिम से सतर्क रहें. कन्या- धार्मिक कार्यों में लगन व निष्ठा बनी रहेगी. यात्रा देशांत में सामान का पूरा ध्यान रखें. व्यर्थ के कार्यों में धन का अपव्यय होगा. तुला- पारिवारिक कार्य फलीभूत होंगे. मनोरंजन पर व्यय होगा. भूमि भवन मकानादि की समस्या हल होगी. निर्माण के कार्यों पर विचार होगा. वृश्चिक- दाम्पत्य जीवन आनन्दमय रहेगा. आपसी व्यक्ति सहयोग करेंगे. अतिथि आगमन का योग है.कामकाज में उन्नति के योग है.

धनु- आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. व्यसन से बचने का प्रयास करें. संतान के कार्यों को प्रशंसा होगी. आय का नया मार्ग सामने आयेगा. नवीन योजना बनेंगी. मकर- किसी बड़े सदस्य का सहयोग रहेगा. पत्राचार करते समय सावधानी रखें. निजी पुरुषार्थ का लाभ प्राप्त होगा. मनोरंजक यात्रा होगी. कुम्भ- आर्थिक कार्य बनने का योग है. पारिवारिक कार्य में गति आयेगी. स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है. मित्रता उपयोगी रहेगी. मीन- धार्मिक योजनाओं में वृद्धि होगी. पारिवारिक चिन्ता रहेगी. जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा. आशा से अधिक सफलता मिलेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चतुर, बुद्धिमान, व्यवहारकुशल, आशावान, अनुशासनप्रिय, स्पष्टवादी होगा. निर्णय करने की क्षमता इनमें अधिक होती है. अपने कार्य के प्रति सदैव सजग रहेगा. नेतृत्व प्रधान होगा. माता पिता के प्रति श्रद्धा रखने वाला होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सू. च. सू.	6	सू.	5
9				
10	श.		4	
11		1	रा.	मं. 3
12	सू.		2	

पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2083 आश्विन कृष्ण तृतीया भौमवासरे शाम 6/38, अश्विनी नक्षत्रे दिन 11/16, व्याघात योगे दिन 9/14, वणिज करणे सू.उ. 6/4, सू.अ. 5/56, चन्द्रचार मेष, पर्व- संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, तृतीया श्राद्ध, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

त्यापार भविष्य

आश्विन कृष्ण तृतीया को अश्विनी नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सरसों, गेहूं, जौ, चना, चावल, मूंग, मोट, के भाव में तेजी का रुख रहेगा. नारियल, दाख, सुपारी, मोला, के भाव में तेजी का रुख रहेगा. रूई, कपास, बिनौला, वायदा, विचार आज श्रेष्ठ रहेगा. भाग्यांक 5756 है.



पकड़ लेता विधायक से लेकर राष्ट्रपति पद तक का चुनाव लड़ा. चुनाव आते ही वह धरतीपकड़ ने यही किया. उसने विधायक से लेकर राष्ट्रपति पद तक का चुनाव लड़ा. चुनाव आते ही वह किसी भी क्षेत्र की धरती पकड़ लेता था और

टस से मस नहीं होता था. उसे समझाने, धमकाने या प्रलोभन देने पर भी वह नाम वापस नहीं लेता था. मतदान के दिन तक धरती को पकड़े रहता था और नतीजा आने पर उसी धरती पर पछाड़ खाकर बुरी तरह गिर जाता था. वह उस मकड़ी के समान था, जो ऊँचाई से बार-बार गिरने के बाद भी जाला बनाना नहीं छोड़ती. ऐसे लोग खुद को स्वयंभू नेता मान लेते हैं. उन्हें कर्म की चिंता रहती है, परिणाम की नहीं ! पता है कि बुरी तरह हार जाएँगे, फिर भी उम्मीदवार बन जाते हैं. उन्हें प्रत्याशी के रूप में पूरी सुरक्षा मिलती है. क्योंकि चुनाव होने के पहले मर गए तो चुनाव आगे के लिए टल जाता है. उनका नाम ईवीएम पर आ जाता है. परिचितों से चर्चा होती है कि पक्का नोटकीबाज है. चैन से बैठने की बजाय हर बार फालतू खड़ा हो जाता है.' हमने कहा, 'आटे में चोकर, शरीफों के बीच एकाध लोफर, कार में शोफर और ताश की गड्डी में जोकर होता है, ठीक वैसे ही धाकड़ उम्मीदवारों के बीच अचानक कोई धरती पकड़ आ धमकता है.'

मालवा- निमाड़ की डायरी

भाजपा का झूमा और बाला की सीटों पर विशेष फोकस



संजय व्यास

मिशन 2028 में जुटी भाजपा ने निमाड़ की 2 आदिवासी विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस किया है. खरगोन जिले की भीकनगांव और बड़वानी जिले की राजपुर सीट ऐसी हैं, जिस पर वर्षों से कांग्रेस का कब्जा है. कांग्रेस की



अभियान चलाया जा रहा है. आदिवासी बहुल्य इन सीटों पर प्रभावी जाति समूहों को साधने के लिए नजदीकी विधायकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने का निर्देश दिया गया है.

मछुआरों के सामने पाबंदियां और रोजगार संकट

ऑकरेश्वर में प्रशासनिक पाबंदियों का खामियाजा मछुआरों को भुगतना पड़ रहा है. उनका रोजगार प्रभावित होने से रोजी-रोटी का संकट हमेशा बना रहता है. मानसूनी दौर, मत्स्य प्रजनन काल में मत्सयाखेट पर शासन का प्रतिबंध रहता है, ऐसी दशा में मछुआरे पर्यटकों से मिलने वाली आय पर निर्भर रहते हैं. वे नावों से इस पार से उस पार पर्यटकों, श्रद्धालुओं को ले जाकर, ऑकार पर्वत परिक्रमा कराकर आय अर्जित करते हैं. समस्या तब आती है जब सुरक्षा के बहाने नावों पर भी पाबंदी लगा दी जाती है. इन सबसे तो वे जूझ ही रहे थे, अब कुछ समय से नई समस्या पैदा हो गई है. यहां जल क्षेत्र पर लगाए गए सोलर सिस्टम ने उनके नौकायन को बाधित कर दिया है, जिससे उनकी पर्यटकों से आय भी प्रभावित हो रही है. इसी सिलसिले में राज्यसभा सांसद महेश केवट के विगत दिनों ऑकरेश्वर पहुंचने पर मांडी-कहार-केवट समाज ने उनके समक्ष जलाशय के बैकवॉटर में सोलर पैनल लगने से मछुआरों का रोजगार प्रभावित होने का मुद्दा उठाया और विस्थापन, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक रोजगार की मांग रखी. सांसद केवट ने उन्हें आश्वासन तो दिया है कि वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से

पानसेमल विधायक बर्डे को जिम्मा

राजपुर सीट पर भाजपा की विजय का परचम फहराने का जिम्मा भाजपा ने अधोषिप्त रूप से फिलहाल पानसेमल विधायक श्याम बर्डे को दिया है.उल्लेखनीय है कि पानसेमल पूर्व में राजपुर विधान सभा का ही हिस्सा था. परिसीमन में अलग हो 2008 में यह अस्तित्व में आई और इसके पहले विधायक बाला बच्चन ही निर्वाचित हुए थे. 2023 में श्याम बर्डे ने निर्वाचित हो भाजपा को पहली बार यह सीट दिलाई. बर्डे जमीनी नेता हैं और क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ है. इसी का फायदा राजपुर में भाजपा को मिल रहा है. वे भाजपा का जनधार तो बढ़ा ही रहे हैं, साथ ही कांग्रेस को कमजोर करने की कड़ी में क्षेत्र में संघ लगाकर अब तक सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं व विचारधारीयों को भाजपा से जोड़ चुके हैं.



निशानेबाज

चुनाव लड़ने की हमेशा अकड़, अब मौजूद नहीं धरतीपकड़

पड़ोसी ने हमसे कहा ‘निशानेबाज, कुछ दिन पहले धरतीपकड़ कहलाने वाले एक ऐसे व्यक्ति का निधन हो गया, जो चुनाव के मौसम में बहुत चर्चित हो जाता था. वह हर बार बुरी तरह हार जाता था. उसकी जमानत जब्त हो जाती थी, फिर भी चुनाव लड़ना नहीं छोड़ता था. लोकतंत्र के प्रति उसकी इतनी गहरी आस्था को देखते हुए उसे मरणोपरांत पद्म पुरस्कार देना चाहिए.'

हमने कहा, ‘कोई जनधार न रहते हुए भी चुनाव लड़ना सनक या बेवकूफी है. ऐसे लोग भी चुनाव में खड़े हो जाते हैं, जिन्हें गली का कुत्ता भी नहीं जानता. आश्चर्य होता है कि विधायक या सांसद की एक सीट के चुनाव में 20-25 उम्मीदवार चुनाव लड़ने लग जाते हैं. इससे चुनाव की गंभीरता नष्ट हो जाती है.'

पड़ोसी ने कहा ‘निशानेबाज, जब हर वयस्क को वोट देने का अधिकार है तो चुनाव लड़ने का भी अधिकार है. यदि नामांकन के समय दस्तावेज सही हैं तो किसी को उम्मीदवार बनने से नहीं रोका जा सकता. किसी भी क्षेत्र की धरती

SUDOKU

7525

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7			9			1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9				3				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत संपादक 7524

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2